

ठाकुर का कुआँ

कहानी - प्रेमचंद

वर्कशीट-2 (20.11.2020)

1. संबंध पहचानकर सही मिलान करें।

♦ धुंधली	▪ दिल
♦ थके-मांदे	▪ बहादुरी
♦ मैदानी	▪ रोशनी
♦ विद्रोही	▪ मज़दूर

2. नमूने के अनुसार वाक्य बदलकर लिखें।

♦ बीमारी <u>बढ़ती</u> है।	बीमारी <u>बढ़ जाएगी</u> ।
♦ खराबी दूर <u>हो जाती</u> है।।

3. निर्देशानुसार उत्तर लिखें।

arjunsivaram.k@gmail.com

(क) गंगी मौके का इंतज़ार करने लगी। ('गंगी' के स्थान पर 'जोखू' का प्रयोग करके वाक्य का पुनर्लेखन करें।)

(ख) ये लोग गले में ताग डाल लेते हैं। ('ये लोग' के स्थान पर 'वह आदमी' का प्रयोग करके वाक्य का पुनर्लेखन करें।)

(ग) हम क्यों नीच हैं? ('हम' के स्थान पर 'मैं' का प्रयोग करके वाक्य का पुनर्लेखन करें।)

(घ) ये जाल-फरेब करते हैं। ('ये' के स्थान पर 'वह' का प्रयोग करके वाक्य का पुनर्लेखन करें।)

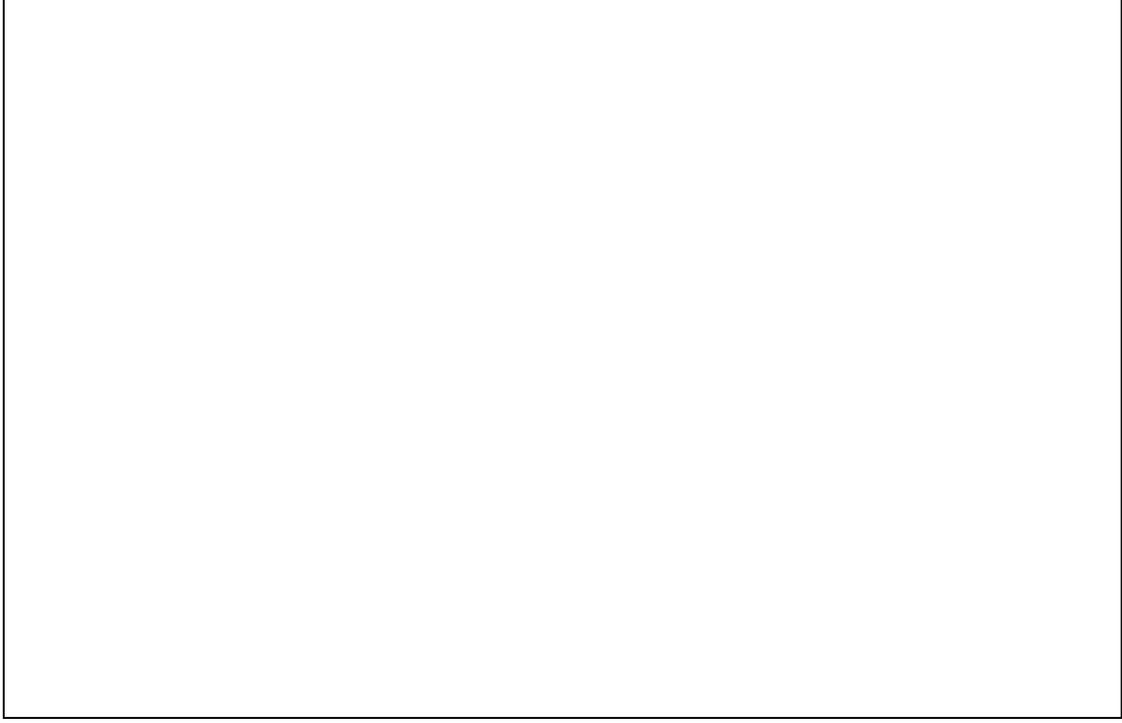
4. संबंध पहचानकर सही मिलान करें।

◆ थके-मांदे मज़दूर	■ घी में तेल मिलाकर बेचते हैं।
◆ ठाकुर ने	■ सो चुके थे।
◆ गंगी रात को	■ थानेदार को रिश्वत दी।
◆ साहू जी	■ कुएँ से पानी लेने पहुँची।

5. संकेतों की मदद से गंगी की चरित्रगत विशेषताओं पर टिप्पणी लिखें।

- ◆ पति से प्यार करने वाली।
- ◆ सामाजिक असमताओं का विरोध करने वाली।
- ◆ आत्मविश्वास रखने वाली।

6. ऊँची-नीची जाति का बोध एक सामाजिक कुरीति है। 'दुनिया एक, मानव एक' का संदेश देते हुए पोस्टर तैयार करें।



☞ सहायता के लिए इन सूचनाओं को भी देखें :

arjunsivaram.k@gmail.com

जाति-प्रथा समाज के लिए कलंक है।

हमारी जाति मानव जाति।

जाति-पाँति तोड़ दो, भेदभाव तुम छोड़ दो।

मानव के लिए एक धर्म, एक जाति और एक ईश्वर।

हिंदू, मुसलमान, सिख, ईसाई आपस में सब भाई-भाई।

एकता है हमारा धर्म, भेदभाव को मिटाओ।